मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, मिर्जापुर, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, प्रतापगढ़ में वितरित

# कदम कदम पर

संपादक: छोटेलाल शर्मा

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

संपादक : छोटेलाल शर्मा

RNI No. : MAHHIN/2014/55126 PR No. : MNE/329/2020-2022 POSTED AT BHANDUP (E) POST OFFICE, MUMBAI-42 ON EVERY TUESDAY

वर्ष - 9 | अंक - 50 | मुंबई, सोमवार, दिनांक 29 अगस्त से 04 सितंबर 2022 | पृष्ठ : 4 | कीमत : 3 /- रुपये

# BMC इलेक्शन को लेकर एक्टिव मोड में बीजेपी

## 5 सितंबर को अमित शाह और 15-16 को जेपी नड्डा का दौरा

**मुंबई :** महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस की सरकार बनने के बाद पहली बार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अगले महीने मुंबई का दौरा करेंगे। अमित शाह का 5 सितंबर को मुंबई पहुंचने का कार्यक्रम है। वे मुंबई आकर लालबाग के राजा का दर्शन करेंगे। साल 2017 में बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद से ही अमित शाह हर साल लालबाग के राजा का दर्शन करने मुंबई आते रहे हैं। अमित शाह के बाद 15 और 16 सितंबर को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का महाराष्ट्र दौरा है। यानी मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर बीजेपी एक्टिव मोड में नजर आ रही है।

इस बीच महाराष्ट्र के नागपुर जिले में आज आरएसएस और बीजेपी नेताओं के बीच समन्वय बैठक शुरू है। नागपुर के रेशीम बाग में डॉ हेडगेवार स्मृति भवन परिसर में यह बैठक हो रही है। इस बैठक में आरएसएस के दत्तात्रय होसबोले और बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, पूर्व बीजेपी अध्यक्ष और मंत्री चंद्रकांत पाटील और मंत्री सुधीर मुनगंटीवार जैसे राज्य के कद्दावर

बीजेपी नेता शामिल हैं।

बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने मुंबई दौरे के दौरान सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और बीजेपी के मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार के घर भगवान गणेश का दर्शन करने जाएंगे। बीएमसी चुनाव में जीत दर्ज करने की रणनीति तय करने के लिए अमित शाह का यह दौरा बीजेपी के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। इस साल के आखिर में बीएमसी चुनाव होने की संभावना हैं। यह चुनाव उद्धव ठाकरे की शिवसेना के अस्तित्व के लिए और बीजेपी के लिए और शिंदे गुट को शिवसेना के गढ़ में अपने आप को साबित करने के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है।

महाराष्ट्र की गद्दी छिनने के बाद ठाकरे गुट की शिवसेना की ताकत को पूरी तरह से खत्म करने के लिए बीजेपी बीएमसी की सत्ता हथियाने के लिए काफी आक्रामकता के साथ काम कर रही है। बीएमसी की लड़ाई लड़ने के लिए व्यक्तिगत रूप से अमित शाह के मैदान में उतरने की पूरी संभावना है। इसी के तहत अमित शाह गणेशोत्सव के दौरन मुंबई का दौरा कर रहे हैं। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस सरकार बनने के बाद अमित शाह का यह पहला महाराष्ट्र दौरा है। कुछ दिनों पहले उनका नासिक के त्रयंबकेश्वर दौरे की योजना बनी थी। लेकिन उसी समय एकनाथ शिंदे ने शिवसेना से बगावत कर ली और कुछ विधायकों को लेकर सूरत और फिर गुवाहाटी चले गए थे।

# मुंबई में 4 करोड़ रुपये कैशबैक धोखाधड़ी के आरोप में पूर्व बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

**मुंबई :** मुंबई में चार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में पुलिस ने बैंक के एक पूर्व कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। बैंक के 41 वर्षीय पूर्व कर्मचारी ने क्रेडिट कार्ड धारकों को मिलने वाले कैशबैक के जरिए धोखाधड़ी की। साकी नाका पुलिस के अधिकारी ने बताया कि मई माह में बैंक की तरफ से नितिन खरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर नितिन खरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। खरे एक संविदा कर्मचारी थे और बैंक ग्राहकों की खरीदारी और कैशबैक का डेटा संभालते थे। आरोपी ने 83 क्रेडिट कार्डों पर अर्जित कैशबैक के जरिए बैंक से चार करोड़ रुपये

की ठगी की। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही साका नाका पुलिस के सामने आया था कि यह धोखाधड़ी जनवरी से अगस्त 2021 के बीच की गई। यह मामला तब सामने आया जब बैंक के कुछ ग्राहकों ने खरीदारी के बावजूद अपने क्रेडिट कार्ड खातों में कैशबैक न आने की शिकायत बैंक में दर्ज कराई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के एक दोस्त ने कथित तौर पर अलग-अलग लोगों के क्रेडिट कार्ड मुहैया कराए और उसने अपने दोस्तों के क्रेडिट कार्ड खातों में फर्जी कैशबैक का लाभ दिया था। कैशबैक का लाभ लेने वाले सभी नासिक के बताए जा रहे हैं। अभी इस मामले में और भी गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

# महाराष्ट्र की सरकारी बसों में मुफ्त होगी 75 वर्ष से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों की यात्रा

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने कहा है कि 75 वर्ष से अधिक उम्र के लोग शुक्रवार से उसकी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकते हैं. एमएसआरटीसी की एक विज्ञप्ति में राज्य द्वारा संचालित परिवहन उपक्रम के उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक शेखर चन्ने के हवाले से कहा गया है कि इस मुफ्त यात्रा योजना

के लिए पात्र लोगों को किराया राशि वापस मिलेगी यदि उन्होंने 26 अगस्त से पहले अपने टिकट बुक किए थे. विज्ञप्ति में कहा गया है कि 65 से 75 वर्ष की आयु के लोगों को उपक्रम द्वारा संचालित सभी प्रकार की बस सेवाओं पर टिकट किराए में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी.

विज्ञप्ति में कहा गया है कि आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र जैसे पहचान दस्तावेज दिखाकर मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है. विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि यह सुविधा एमएसआरटीसी की सिटी बसों के लिए उपलब्ध नहीं है और यह राज्य की सीमा के भीतर यात्रा के लिए होगी.

# फिल्म बदलापुर की तरह बैग में मिली डेड बॉडी

# मुंबई में नौवीं में पढ़ने वाली लड़की की बेरहमी से हत्या!

**मुंबई :** मुंबई से सटे ठाणे जिले के नायगांव में एक 15 साल की लड़की की डेड बॉडी पाई गई है. यह डेड बॉडी बिलकुल बॉलीवुड फिल्म बदलापुर की तरह एक ट्रैवल बैग में पाई गई. यह लड़की मुंबई के अंधेरी इलाके की रहने वाली है. पुलिस तहकीकात में जुहू इलाके की एक झोपड़ी में उसकी हत्या किए जाने की जानकारी मिली है. मृत लड़की का 21 साल का दोस्त और जुहू में जिस झोपड़ी में हत्या हुई, उसी झोपड़ी में रहने वाला उसका सहयोगी ही इस मामले में संदिग्ध पाया गया है.

लड़की की हत्या कर उसकी डेड बॉडी पहले एक ट्रैवल बैग में भरी गई और फिर वह बैग नायगांव ले जाया गया. जिस हथियार से उस लड़की की हत्या की गई, वह हथियार भी पुलिस ने झोपड़ी से बरामद कर लिया है. जांच अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक हत्या के बाद फरार संदिग्ध को पकड़ने के लिए एक पुलिस की टीम गुजरात भेजी गई है. हॉस्पिटल ने लड़की की डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

**हद से बढ़कर हुई क्रूरता, यूं हुई नौवीं में पढ़ने वाली लड़की की हत्या**

बेहद ही बेरहम से नौवीं में पढ़ने

वाली इस लड़की को मारा गया है. जांच में यह बात सामने आई है कि उसके पेट में 12 बार चाकू भोंका गया है. विले पार्ले के एक स्कूल में वह पढ़ रही थी. एक दिन शाम सवा छह के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंची तो उसके अभिभावकों ने 25 अगस्त को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट अंधेरी पुलिस स्टेशन में लिखवा दी. इसी बीच वालीव पुलिस को एक लड़की की डेड बॉडी से भरा बैग को नायगांव के पेरियार नगर में मिला. शव के पास मिले सामान से उसके स्कूल का पता चला और इस तरह पुलिस लड़की के अभिभावकों तक पहुंची.

**ऐसे बढ़ी तहकीकात, पुलिस आखिर पहुंची कातिल के पास**

अभिभावकों ने जब लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई तब उन्होंने पुलिस को यह नहीं बताया था कि उसका 21 साल का एक दोस्त भी है जो बांद्रा ईस्ट में रहता है और कैटरिंग का धंधा करता है. पुलिस को अन्य सूत्रों से इस लड़के के बारे में पता चला. इस लड़के की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं पाई गई. फिर भी पुलिस संदेह के आधार पर उस लड़के के घर तक पहुंची. वहां पता चला कि वह लड़का भी दो दिनों से अपने घर नहीं आया है. इसके बाद अंधेरी पुलिस ने निर्मल नगर पुलिस से संपर्क साधा. पुलिस ने इस लड़के के रिश्तेदारों से बात की तो उसके एक दोस्त के बारे में जानकारी मिली जो जुहू इलाके की एक झोपड़ी में रहता है. पुलिस वहां पहुंची तो झोपड़ी में ताला लगा था. पुलिस जब ताला तोड़ कर अंदर घुसी तो वहां फर्श पर खून के निशान दिखाई दिए और वह हथियार भी मिल गया, जिससे हत्या हुई थी.

# खुद को आदित्य ठाकरे बताकर शिवसेना कार्यकर्ता से मांगे 25 हजार रुपये, केस दर्ज

**मुंबई:** मुंबई में एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को आदित्य ठाकरे बताकर शिवसेना कार्यकर्ता से 25 हजार रुपये मांगे। मुंबई पुलिस इस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। इस मामले में शिवसेना कार्यकर्ता को जब ठगी की कोशिश का अहसास हुआ तो उसने फौरन पुलिस में शिकायत की। शुरूआती जांच में सामने आया है कि जिस नंबर से फोन किया गया वह यूपी का है। अधिकारी

ने बताया कि शिकायतकर्ता को तत्काल अहसास हुआ कि यह ठगी की कोशिश है और इसकी सूचना उसने शिवसेना पदाधिकारियों को दी।

अधिकारी ने बताया कि शनिवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि शुरूआती जांच से पता चला है कि जिस नंबर से फोन किया गया था वह उत्तर प्रदेश का है।

# संपादकीय

## फिर चांद की ओर

अमेरिका के विज्ञान जगत में इन दिनों खुशी की एक लहर है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा पचास साल बाद इंसान को फिर से चांद पर उतारने की तैयारी में है। योजना साकार हुई, तो एसएलएस 29 अगस्त को अपने लॉन्च पैड से उड़ान भरेगा। यह यान अंतरिक्ष में एक छोटा, बगैर-चालक वाले एक ऐसे कैप्सूल को साथ ले जाएगा, जो अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाने में सक्षम है। ओरियन नामक यह कैप्सूल चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएगा और 42 दिन बाद पृथ्वी पर वापस आ जाएगा। यह परीक्षण उड़ान बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि नासा आगामी समय में अनेक अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल की मदद से अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी में है। वर्ष 1972 के बाद से कोई इंसान चांद पर नहीं गया है, क्योंकि उसकी जरूरत महसूस नहीं हुई। चांद पर जाने की होड़ शीत युद्ध के समय चरम पर थी। अमेरिका व तत्कालीन सोवियत संघ मुकाबले में लगे थे, लेकिन चांद पर सोवियत संघ किसी वस्तु को पहुंचाने में भले पहले कामयाब हुआ, लेकिन अमेरिका ने अपने 17 यात्रियों को बारी-बारी न केवल चांद पर पहुंचाया, बल्कि सुरक्षित लौटा भी लाया। इतनी बड़ी अमेरिकी कामयाबी के बाद सोवियत संघ ने मानव अभियान से पांव पीछे खींच लिए और उसके बाद किसी देश को चांद पर जाने की जरूरत महसूस नहीं हुई। इस बार जिस रॉकेट का इस्तेमाल हो रहा है, वह बहुत शक्तिशाली है। कैप्शूल का प्रयोग तो अत्याधुनिक है। कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय के एक एयरोस्पेस इंजीनियर लुईस जिया कहते हैं, ह्यहम अंतरिक्ष-उड़ान विज्ञान अनुसंधान के एक नए युग में पहुंच गए हैं।ह्व चार अरब अमेरिकी डॉलर से भी ज्यादा खर्च वाले इस अभियान के तहत अनेक प्रयोग किए जाएंगे। चांद पर बर्फ की खोज, विकिरण के मानव शरीर पर असर को भी जांचा जाएगा। जापान का एक लैंडर भी चांद पर उतरने की कोशिश करेगा, यह अब तक का सबसे हल्का महज 700 ग्राम का लैंडर है। यह जापान के लिए एक बड़ी कामयाबी होगी। नासा के अभियान को आर्टेमिस नाम दिया गया है, यह ग्रीक पौराणिक कथाओं से लिया गया नाम है, आर्टेमिस दरअसल अपोलो की जुड़वां बहन है। यह दशार्ता है कि यह नासा के सफलतम अपोलो कार्यक्रम का ही आधुनिक अवतार है। अपोलो कार्यक्रम के तहत ही पहली बार इंसान चांद पर उतरा था। योजना के अनुसार, आर्टेमिस-2 अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की कक्षा में ले जाएगा और चक्कर लगाएगा। उसके बाद आर्टेमिस-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अंतरिक्ष यात्रियों के एक दल को उतारेगा। साल 2025 या उसके बाद पहली बार कोई महिला चांद पर उतरेगी। नासा की योजना इंसानों को चांद पर उस जगह उतारने की है, जहां पानी या बर्फ की संभावना बताई जा रही है। वाकई अगर चांद पर पानी का इंतजाम हो गया, तो वहां इंसानों के ज्यादा दिन रहने के अवसर बनेंगे। चांद पर हाइड्रोजन के रूप में पानी की तलाश है। चूंकि 7 दिसंबर, 1972 के बाद चांद पर कोई इंसान नहीं उतरा है, अतः अगला जो भी इंसान उतरेगा, एक नया ही इतिहास रचेगा। पचास साल पहले नौ अभियान चांद तक पहुंचे थे, जिसमें से छह अभियानों के जरिये इंसानों ने चांद की यात्रा की। उसके बाद चांद से इंसानों का लगाव अचानक कम हो गया। अब दुनिया में भारत सहित कम से कम छह देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां चांद पर कुछ ऐसा खोजना चाहती हैं कि इंसानों को चांद पर बार-बार जाने का बहाना मिल जाए।

# आरक्षण वर्गीकरणः अति पिछड़ी जातियों का सामाजिक और राजनीतिक उत्थान

गंगाराम विश्वकर्मा
( लेखक भाजपा मुंबई के कार्यकारिणी सदस्य हैं )

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पिछले 10 वर्षों में सरकारी नौकरियों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण में ओबीसी प्रतिनिधित्व का आकलन कराने जा रही है। इसके तहत प्रदेश सरकार की नौकरियों में ओबीसी की 79 उपजातियों के हिसाब से कर्मचारियों की गिनती की जाएगी। योगी सरकार के निर्देश के अनुसार अगले कुछ दिनों में विभागवार समूह के कुल पदों व नियुक्त कार्मिकों का ब्यौरा एकत्र करने का अभियान चलेगा। इसके लिए सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवों को शासन ने पत्र भेज कर पूरा ब्यौरा मांगा है। इसके तहत पदों का विवरण संवर्गवार देना है। इसके बाद स्वीकृत पद, भरे गए पद, ओबीसी के लिए तय पद, ओबीसी से भरे गए पद, सामान्य श्रेणी में चयनित ओबीसी की संख्या, कुल भरे गए पदों के मुकाबले ओबीसी का प्रतिशत आदि की पूरी जानकारी देनी है। इसी के साथ आरक्षण कोटा पूरा हुआ है या नहीं यह भी बताना है। इसके अलावा पहली बार ओबीसी की उपजातियों की स्थिति बतानी है। अन्य पिछड़ा वर्ग की करीब 79 उपजातियां इसमें शामिल की गई हैं।

जनवरी 2010 से मार्च 2020 तक विभिन्न विभागों में की गई कुल नियुक्तियों में चयनित अभ्यर्थियों का जातिवार विवरण सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवों से मांगा है। योगी सरकार के इस नए निर्देश से उत्तर प्रदेश की सरकारी नौकरियों में ओबीसी जातियों की स्थिति का पता चलेगा। किस जाति को आरक्षण का ज्यादा लाभ मिला और किसे कम ये बातें सार्वजनिक हो जाएंगी। जिन 10 वर्षों का आंकड़ा मांगा गया है उसमें दो वर्ष मायावती की अगुवाई वाली बसपा और पांच वर्ष अखिलेश यादव की अगुवाई वाली सपा ने शासन किया है। योगी आदित्यनाथ सरकार के भी तीन वर्ष शामिल हैं।

योगी सरकार के इस फैसले का सुभसपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने संविधान में ये व्यवस्था दी है। जिसमें उन्होंने प्रति 10 वर्ष पर जातियों का आकलन करके ये आंकड़ा जुटाने की बात कही है। जिससे ये पता चल सके की कौन-सी जाती को फायदा नहीं मिला, जिससे उसे ऊपर बढ़ाने पर काम किया जा सके।

ओबीसी में पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और अत्यंत पिछड़ा वर्ग की गणना की जाती है। जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी के आधार पर आरक्षण का लाभ सिर्फ उन्ही जातियों तक सीमित रही जिनकी प्रदेश में जनसंख्या अधिक है। पिछड़ी जातियों में मध्य पिछड़ी जाति (कृषक जातियां) यादव, कुर्मी, गुर्जर, लोध, काछी यह सबल और भूमिधर हैं। सदियों से निरादर और दरिद्रता की निशानी प्रजावट प्रथा जैसा राष्ट्रीय कलंक को परंरागत पेशेवर जातियां ढोती आ रही हैं, जिनका सामाजिक स्तर गुलामों जैसा है। देश की मुख्यधारा के समाज के सृजन में जुटी ये अति पिछड़ी जातियां राजनीतिक नेतृत्व से शून्य मध्य अगड़ी जातियों के लिये चारागाह साबित हो रही हैं।

1977-78 में पिछड़ी जाति के राम नरेश यादव व बनारसीदास गुप्ता का नेतृत्व रहा। 1989 में जनता दल की सरकार बनी तो मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने और उनके कैबिनेट में तीन चौथाई यादव व कुर्मी मंत्री बने। 1991 में भाजपा की सरकार बनी तो कल्याण सिंह मुख्यमंत्री बने, इनकी कैबिनेट में भी यादव व कुर्मी का वर्चस्व रहा। 1993 में बसपा के सहयोग से बनी मुलायम सिंह यादव सरकार में यादव व कुर्मी के अलावा अति पिछड़ी जातियां नगण्य थी। 1995 में गेस्ट हाउस कांड के बाद जब मायावती ने सत्ता संभाली तो उन्होंने यादव व कुर्मी जाति के मंत्रियों को बरकरार रखा। 1996 में भी भाजपा की कल्याण सरकार में वही यादव व कुर्मी का सिक्का चला। उसके बाद राम प्रकाश गुप्ता ने भी अपने मंत्रिमंडल में उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दिया। उसके बाद राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री बने तब भी वही स्थिति कायम रही। 2003 में कांग्रेस के सहयोग से बनी मुलायम सिंह यादव सरकार में तो हद हो गई जब पिछड़ी जाति के अगड़े लोग बेलगाम हो गये। पूरे प्रदेश में इनके अधिकारियों की बाढ़ सी आ गयी। सरकारी भर्तियों में यादव-कुर्मी का प्रतिशत 80-90 हो गया। एक आंकड़े के अनुसार 2001 में उत्तर प्रदेश में यादव व कुर्मी प्रथम श्रेणी की नौकरी में 55 प्रतिशत, द्वितीय श्रेणी की नौकरी में 64 प्रतिशत, तृतीय श्रेणी की नौकरी में 56 प्रतिशत तथा चतुर्थ श्रेणी की नौकरी में 41 प्रतिशत रहा। बाद में सपा सरकार द्वारा किये गये तीन लाख भर्तियों से इनका प्रतिशत एकाएक बढ़ गया। 2007 के विधानसभा चुनाव में सपा से नाराज अति पिछड़ी जातियों का वोट डायवर्जन बसपा की तरफ हुआ जिसके परिणाम स्वरूप मायावती ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। बसपा सरकार में भी कुर्मी व जाट का वर्चस्व कायम रहा। 2012 के विधानसभा चुनाव में सपा ने अति पिछड़ों को सपना दिखाया तो फिर वोट डायवर्जन हुआ और सपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने। अखिलेश सरकार में भी पिछड़े वर्ग की वही अगड़ी जातियां महत्वपूर्ण पदों पर रही।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की मजबूती का सबसे बड़ा कारण ओबीसी आबादी के एक बड़े हिस्से का उसे समर्थन मिल रहा है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश और मायावती के एक मंच पर आ जाने के बावजूद 2019 के चुनाव में भाजपा जीत गई। 2014 और उसके बाद हुए सभी चुनावों में भाजपा भरी बहुमत से जीतती रही है। अखिलेश ने 2017 में कांग्रेस के साथ मोचाबंदी की लेकिन जीत भाजपा की हुई। 2022 के चुनाव में अखिलेश ने छोटो छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन किया लेकिन जीत फिर भाजपा की हुई। गैर यादव ओबीसी भाजपा की ओर इस लिए मुखातिब हो रहे हैं क्योंकि सामाजिक न्याय और ओबीसी आरक्षण की बात करने वाली पार्टियां उनकी उपेक्षा करती हैं जबकि भाजपा उनके हितों का ज्यादा स्थान रखती है। ओबीसी आरक्षण के आकलन के लिए योगी सरकार द्वारा जस्टिस राघवेंद्र सिंह की अगुवाई में बनी कमेटी अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है। बताया जा रहा है कि इस कमेटी ने भी ओबीसी आरक्षण को तीन हिस्सों में बांटने की सिफारिश की है। यदि फीसदी ओबीसी आरक्षण को तीन हिस्सों में बांटा जाता है तो इसका लाभ उन जातियों को मिल सकता है जो आरक्षण के दायरे में रहते हुए भी अभी तक भरपूर फायदा नहीं उठा सकीं। पिछड़ा वर्ग आरक्षण में ओबीसी प्रतिनिधित्व का आकलन गैर ओबीसी जातियों को भाजपा से और विश्वासपरक बनेगा।

# विश्वकर्मा समाज की उपेक्षा और अपमान बर्दाश्त नहीं : रामआसरे विश्वकर्मा

## सितंबर में होगा नागपुर में विश्वकर्मा महासम्मेलन

**नागपुर।** अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्वमंत्री रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि पूरे देश में विश्वकर्मा समाज का उत्पीड़न हो रहा है। विश्वकर्मा समाज के उत्पीड़न और अत्याचार की लड़ाई लड़ने के लिये अब समाज को खुद आगे आना होगा।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा की ओर से रविवार, 28 अगस्त को सिविल लाइन स्थित सीपी क्लब में राजकीय संकल्प परिषद में विश्वकर्मा ने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में विश्वकर्मा समाज को सरकार में हिस्सेदारी मिल सकती है तो नागपुर में विश्वकर्मा को हिस्सेदारी क्यों नहीं मिल सकती? उत्तर प्रदेश में 17 सितम्बर को भगवान विश्वकर्मा के पूजा पर सार्वजनिक अवकाश हो घोषित सकता है तो महाराष्ट्र में विश्वकर्मा पूजा का अवकाश क्यों नहीं हो सकता? जब तक समाज के लोग विधायक, सांसद और मंत्री नहीं बनेगे तब तक विश्वकर्मा समाज की आवाज सरकार और सदन तक नहीं पहुंचाई जा सकती।

उन्होंने ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को जनसंख्या के अनुरूप लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और सरकार में हिस्सेदारी दिया जाना चाहिए। हमारे लोहे और लकड़ी के कारोबार और रोजगार के लिये कानून बने और विकास के लिये नीति बनायी जाए। आरक्षण के

तहत विश्वकर्मा समाज के युवकों को नौकरी और रोजगार दी जानी चाहिए। भगवान विश्वकर्मा ने आदिकाल से ही सभी देवी देवताओं की आवश्यकता को पूर्ण किया। भगवान विश्वकर्मा ने भगवान शिव को सोने का महल, भगवान कृष्ण को द्वारिकापुरी, भगवान इन्द्र को इन्द्रपुरी तथा यम को यमपुरी दिया तो भगवान राम के लिये पुष्पक विमान का निर्माण करके अपनी महत्ता को उस समय बनाये रखा था। आज उनके वंशज विश्वकर्मा समाज का महत्व व पहचान विलुप्त हो रही है। देश दुनिया का विकास और निर्माण विश्वकर्मा समाज से ही प्रारंभ हुआ। विकास और तकनीकी निर्माण में विश्वकर्मा वशंजों ने समय समय पर बड़ा योगदान दिया है।

मगर हम आज तक राजनैतिक भागीदारी नहीं ले पाये और न विधायक सांसद व मंत्री बना पाये, जिसके कारण हम विकास की दौड़ में पीछे रह गये। रामआसरे विश्वकर्मा ने आह्वान किया कि विश्वकर्मा समाज के सम्मान, स्वाभिमान और हिस्सेदारी के लिए विश्वकर्मा समाज एकजुट होकर संघर्ष करे हम उन्हें ताकत देंगे। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष शंकरराव चुरागले ने कहा कि सितंबर महीने में नागपुर में राज्यस्तरीय विश्वकर्मा महासम्मेलन किया जाएगा। उन्होंने नारा दिया हम लड़ेंगे हम बढ़ेंगे। हमें विश्वकर्मा होने पर गर्व है।

इस अवसर पर हरीश रेवडिया, संस्था के राष्ट्रीय महासचिव गंगाराम विश्वकर्मा,अंकुश रेवडिया,विष्णुपंत मोरेकर,दिनेश येवले,अनिता दरवेकर, गजानन देवरेकर, मधुकर खंडारकर , उमेश प्रधान, राजेश परायेय, दिनेश पणघान, राम भरोसे मतलानी, महेश मोहडे, मनीष मानुसमारे, बाबाराव सोनवाने, प्रकाश वडोतकर, गिरीश नौगडे, गौतम शर्मा, सुरेन्द्र एनसकर आदि सहित विश्वकर्मा समाज के विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे।

सेन पुण्यतिथी पर राजस्थान सेन मारू समाज ट्रस्ट 60 ए, महाराष्ट्र केन्द्र कार्यालय, नाशिक के नव नियुक्त अध्यक्ष नंदलाल जी sakla इनका सम्मान करते हुए रमेशजी toksiya राजेंद्र surag दिलीप पवार, चंद्रकांत जी निर्वाण, बालासाहेब जी भाटी सर, महाराष्ट्र प्रदेश श्री नारायणी सेना संगठन के अध्यक्ष अशोक पवार khandalkar

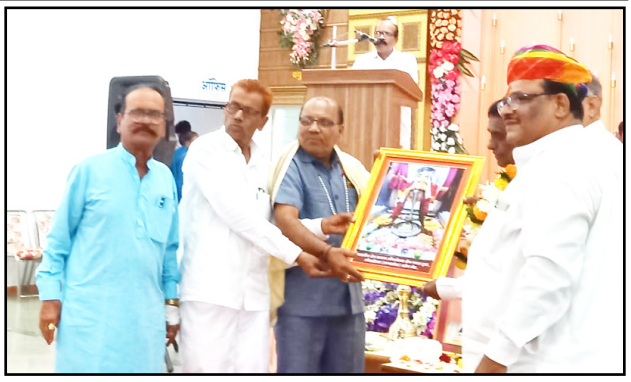

ओंकारेष्वर ट्रस्ट एमपी के orse राजस्थान सेन समाज मारू ट्रस्ट मंडल 60 ए महाराष्ट्र केंद्र कार्यालय नाशिक के अध्यक्ष नंदलाल जी सांकला का ओंकारेश्वर भगवान की प्रतिमा देकर सत्कार करते हुए उपाध्यक्ष मोहनलाल जी चांगल, महाराष्ट्र प्रदेश श्री नारायणी सेना संगठन के अध्यक्ष अशोक पवार, नाशिक ट्रस्ट के कार्याध्यक्ष सुरेशजी सिसोदिया, रमेश सेठ banberu , भिकुलाल जी sakla आदी मान्यवर

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचारपत्र

**कदम कदम पर**

RNI No.:MAHHIN/2014/55126

संरक्षक

**जे.पी.शर्मा**

संपादक

**छोटेलाल शर्मा**

मो.:०९८१९८६२१७२

प्रबंध संपादक

**अनिल शर्मा**

मो.:०९८३३३२९७२१

उप संपादक

**श्रीमती कंचन यादव**

(फैजाबाद, यू.पी.)

**हरिशंकर शर्मा (मुन्ना)**

**आर्थिक सलाहकार**

**सतीशचंद्र गुप्ता**

**पंकज (बबलू) यादव**

प्रतिनिधि

**अवनीश कुमार मिश्र**

(उत्तर प्रदेश मुख्य संवाददाता)

**सौरभ उमेशप्रताप सिंह**

**राजेश कुमार शर्मा**

साज सज्जा :

**संतोष तिवारी**

(९७६८३६२०९१)

कानूनी सलाहकार

**एड.बी.एम.शर्मा**

**एड.आर.आर.शर्मा**

**एड.भाष्करानंद द्विवेदी**

(मो.: ९४५२७९१५७०)

(न्याय क्षेत्र मुंबई)

सभी पद अवैतनिक हैं।

वाट्स एप नं. : ९८३३२३५०६३

Email : kadamkadampar1@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित सभी आलेख और समाचार लेखकों की अपनी राय है। इससे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

# मिर्जापुर, चुनार के बाढ़ग्रस्त गांवों का

## मंत्री अनुप्रिया पटेल ने दौरा किया

**मिर्जापुरः–** केंद्रीय राज्य मंत्री एवम मिर्जापुर की सांसद श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने गंगा नदी में आई बाढ़ से प्रभावित चुनार के सीखड़ ब्लाक के प्रभावित गांवों क्रमशः सोनवर्षा, खान पुर, मवैया, कठेरवा, मेडियां, बसारतपुर, मझवां , मगरहां, सीखड़ सहित कई बाढ़ग्रस्त गांवों का दौरा कर किसानों को हुये नुकसान का जायजा लिया। इस अवसर पर अपना दल के जिलाध्यक्ष रामलोटन बिंद, उपाध्यक्ष पवनेश सिंह पटेल, समाजसेवी मुकेश सिंह पटेल, बिजेंद्र सिंह प्रधान, राम प्रकाश सिंह, कमलेश सिंह, अमृत सिंह, राणा विक्रम सिंह, मनोज कुमार सिंह, अनिल सिंह, विशाल सिंह, दिनेश सिंह ने बाढ से हुये नुकसान को मंत्री जी एवम प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया।

मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उपस्थित सरकारी अधिकारियों को तत्काल राहत कार्य हेतु निर्देश दिया तथा बाढ से हुये नुकसान का आकलन सर्वे कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया।

मंत्री जी के त्वरित दौरा कर किसानों के दुख-दर्द में शामिल होकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिये जाने का महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय समाज मुंबई के अध्यक्ष डॉ.बाबुलाल सिंह पटेल, डॉ.हरीश सिंह , डॉ.आर.आर.सिंह, डॉ.सचिन सिंह पत्रकार छोटेलाल शर्मा ने सराहनीय कदम बतलाया है और उनका अभिनंदन किया है।

सेन पुण्यतिथी कार्यक्रम नाशिक, गंगा के किनारे senji महाराज पालकी पुजन.

वनी निवासी सेन समाज के जेष्ठ भजन सम्राट, भवरिलालजी भाटी इनका सेन पुण्यतिथि के पर्व पर सम्मान करते हुए महाराष्ट्र प्रदेश श्री नारायणी सेना संगठन अध्यक्ष अशोक पवार, महिला प्रदेश अध्यक्ष सौ रेखाकिशोरी टाक आदी मान्यवर

## दोषियों की रिहाई का किया विरोध

**मुंबई :** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की महिला प्रदेश अध्यक्ष विद्या चव्हाण के नेतृत्व में नवीन राष्ट्रवादी भवन मुंबई के समक्ष बिल्कीस बानो मामले में गुजरात सरकार द्वारा 11 दोषियों को रिहा किए जाने के खिलाफ शनिवार को प्रदर्शन किया। ठाणे में भी शिवाजी स्क्वायर पर विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और गुजरात की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इस दौरान मैं भी देश की बेटी हूं...मुझे इंसाफ चाहिए...हमें माफ करो बिल्कीस बानो....और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए गए। बता दें कि गुजरात में गोधरा उपजेल से 15 अगस्त को 11 दोषियों की रिहाई के बाद जघन्य मामलों में इस तरह की राहत के मुद्दे पर देशभर में बहस छिड़ गई है। मुंबई की एक विशेष सीबीआई अदालत ने 21 जनवरी, 2008 को बिल्कीस बानो से सामूहिक बलात्कार और बिल्कीस बानो के परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में 11 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बाद में बंबई उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने उनकी सजा बरकरार रखी थी। वर्ष 2002 में गोधरा में एक ट्रेन में आगजनी की घटना के बाद भड़की सांप्रदायिक हिंसा के दौरान बिल्कीस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था, घटना के समय वह पांच महीने की गर्भवती थीं। मारे गए लोगों में उनकी तीन साल की बेटी भी शामिल थी।

# राज्यपाल ने किया 'हम वतन की आबरू' पुस्तक का लोकार्पण

**मुंबई,** महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी जी ने लेखक- एन. बी. सिंह 'नादान' (वरिष्ठ गजलकार) की पुस्तक गीत गजल संग्रह 'हम वतन की आबरू' का भव्य लोकार्पण किया। इस अवसर पर कवयित्री नीलम सोमाणी, कवि श्रीराम शर्मा, प्रेरणा- रवि केडिया, पवन शर्मा, लक्ष्मण दुबे, सुमन उपाध्याय, वर्षा महेश कोस्टे एवं भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजहंस सिंह, मुंबई भाजपा प्रवक्ता तथा मीडिया सह प्रभारी उदय प्रताप सिंह आर टी आई कार्यकर्ता अनिल गलगली, उत्तर भारतीय मोर्चा के मुंबई अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, आदित्य दुबे, रोनित सिंह समेत अनेक मान्यवर उपांस्थत रहे। राज्यपाल ने एन. बी. सिंह और उनकी पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रप्रेम को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक बहुत ही अच्छी पुस्तक है।

कवियों ने अपने गीतों, गजलों से राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी जी का दिल जीतकर आशीर्वाद और शुभ कामनाएं प्राप्त किया।

# 'हम वतन की आबरू' पुस्तक का लोकार्पण

**मुंबईः-** स्व.हिरामण राव शेजवल एवम डॉ.मिलिंद शेजवल द्वारा लिखित एवम डॉ.श्वेता शेजवल द्वारा संपादित पुस्तक 'आंबेडकरी जलसा' का प्रकाशन समारोह फिएस्टा बैंक्वेट हाल,मुलुंड पर आयोजित किया गया।

प्रमुख अतिथि के रूप में अश्विन मलिक मेश्राम (संचालक स्पिनकर अनालिटिक्स),एवम माधव शिरवलकर( सुप्रसिद्ध साहित्यिक)के शुभ हस्तों लोकार्पण संपन्न हुआ।

इस अवसर पर दिवाकर निकम,प्रदीप शेजवल, डॉ अनिल निकम,सुरेंद्र शेजवल पत्रकार विलास परुलेकर, बिपीन पांचाल,रश्मि नरसापुर, अशोक शर्मा,डॉ श्रीकांत धारपवार,डॉ चंद्रशेखर महाजन,हरीश भंडारी,अशोक गांगुर्डे,विष्णु रोकडे,गणेश तेलोरे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों ने डॉ बाबासाहब आंबेडकर के द्वारा देश और समाज,मानवता,समानता हेतु किये गये कार्यो का स्मरण किया।

डॉ मिलिंद शेजवल द्वारा साहित्य, गीत,गजल,एवम मेडिकल कॉलेज के छात्रों हेतु लिखे गये किताबों की सराहना किया।

समारोह का सफल संचालन डॉ श्वेता शेजवल एवम आभार डॉ पुनः शेजवल ने प्रकट किया।

# एक्सीडेंटल क्लेम की सबसे बड़ी रकम!

## परिवार को मिले 4.13 करोड़ रुपये

**मुंबई :** कई बार ऐसा होता है जब किसी की दुर्घटना में मौत होती है और उनके परिवार को भारी भरकम रकम मिलती है। महाराष्ट्र के मुंबई से एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक कपड़ा व्यापारी की मौत के बाद उसके परिवार को रिकॉर्ड चार करोड़ तरह लाख रुपये मिल गए। यह हाल फिलहाल बीमा के माध्यम से मिली सबसे बड़ी रकम में से एक है।

### ट्रक के मालिक और बीमा कंपनी को आदेश दिया

दरअसल, यह घटना मुंबई के साकीनाका इलाके की है। टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि मोटर दुर्घटना क्लेम ट्रिब्यूनल ने डंपर ट्रक के मालिक और बीमा कंपनी को आदेश दिया कि साकीनाका के 54 साल के कपड़ा व्यापारी के परिवार को संयुक्त रूप से लगभग 4.13 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

### मिलेंगे रिकॉर्ड चार करोड़ तरह लाख रुपये

रिपोर्ट के मुताबिक इस कपड़ा व्यापारी की मौत 2016 में हुई थी जब उनकी बाइक एक डंपर ट्रक से टकरा गई थी। ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कई टिप्पणियां भी की हैं साथ ही बीमा कंपनी के उन दावों का भी खंडन किया जिसमें कंपनी ने बताया था कि पीड़ित ने हेलमेट नहीं पहना था इसलिए उसकी मौत के लिए वह खुद जिम्मेदार था।

### 28 अगस्त 2016 को हुई की शख्स की मौत

यह भी बताया गया था कि परिजनों ने तीन करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की थी। कपड़ा व्यापारी की पत्नी जमील शेख और उसके छह बच्चे डंपर ट्रक मालिक के खिलाफ 7 नवंबर 2016 को ट्रिब्यूनल गए थे। परिवार ने कहा कि 28 अगस्त 2016 को ट्रक ने पीछे से बाइक को टक्कर मारी थी और उनकी मौत हो गई थी। फिलहाल अब उनको रिकॉर्ड चार करोड़ तरह लाख रुपये मिल गए हैं।

# 37 फिल्मों में एक महिला एक्टर

## तालिबान के कब्जे के बाद करीब एक साल बाद अफगानिस्तान में खुलने जा रहे सिनेमाघर...!

**अफगानिस्तान :** तालिबान की ओर से अफगानिस्तान पर कब्जा जमाए जाने के करीब एक साल बाद देश के सिनेमाघरों में फिल्मों का शो शरू होने जा रहा है। सिनेमाघरों में शो को अनुमति जरूर दे दी गई है लेकिन महिला कलाकारों की भूमिकाएं बहुत सीमित हैं। तालिबान ने पिछले साल अगस्त के महीने में तालिबान पर कब्जा जमाया था। अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के बाद तालिबान ने देश में कई तरह के प्रतिबंध भी लगा रखे हैं। खासकर महिलाओं को लेकर तालिबान का रवैया पुराने जैसा ही है।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, 37 फिल्में और डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित होने के लिए लाइन में हैं, लेकिन यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि आतिफा मोहम्मदी एकमात्र महिला अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हाल ही में बनी इन फिल्मों में से एक में भूमिका निभाई है। फिल्मों के अभिनेता सिनेमाघरों के फिर से खुलने से खुश हैं और उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्मों के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराना होगा। एक कलाकार अब्दुल साबोर खिनजी ने कहा, एक साल बाद सिनेमा के दरवाजे फिर से खुल गए हैं। हम खुश हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने अपनी पॉकेट मनी से फिल्मों पर खर्च किया है। मीडिया पोर्टल के अनुसार, एक अन्य कलाकार फैयाज इफ्तिखार ने कहा, हम अपना काम करके खुश थे। काबुल निवासी जहरा मुर्तजावी ने एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा, 'इस क्षेत्र में महिलाओं को प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह महिलाओं का अधिकार है। मुझे नहीं लगता कि महिलाओं की उपस्थिति के बिना कोई फिल्म अच्छी लगती है।'

तालिबान ने पिछले महीने घोषणा की कि महिलाओं और लड़कियों को तब तक अपने घरों से बाहर नहीं निकलना चाहिए जब तक जरूरी न हो। अगर वे बाहर निकल भी रहीं हैं तो पूरे शरीर को ढक कर ही निकलना चाहिए। तालिबानी शासन के इस फरमान से वो लोग हैरा रहे जो 1996 से 2001 तक तालिबान शासन के अंतिम दौर से नहीं गुजरे थे।

श्री श्री संत सेना महाराज जी की पुण्यतिथि मनाई गई डोंबिवली शहर अध्यक्ष बाबासाहेब राऊत जी, सचिव मंगेश जी, सदस्य अनिल शर्मा डोंबिवली शहर मुंबई.

# खंड विकास अधिकारी ने बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचायतों का किया निरीक्षण

**सीखड़ ,** बिकास खण्ड के अधिकांश गावों मे बाढ़ के पानी आने की सूचना पर खण्ड विकास अधिकारी शिव पूजन भारतीय व संयुक्त खण्ड विकास अधिकारी के.के.सिंह द्वारा विकास खण्ड के बाढ़ प्रभावित धन्नूपूर, धनैता, पसीयाही, विदापुर,कठेरवा, खानपुर, तम्मनपट्टी, मेडिया आदि गावों का निरीक्षण कर मातहतों को दिशा निर्देश दिया और सभी सम्बंधित प्रधानों से प्रभावित परिवारों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। सभी सचिवों को बाढ़ राहत चौकी पर उपस्थित रहकर शाशन के निदेर्शानुसार कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया।

यह साप्ताहिक मालिक, मुद्रक, प्रकाशक छोटेलाल शर्मा ने प्रचिता प्रिंट प्रा. लि. गाला नं.१३, मकाबा बिल्डिंग, एन. एम. जोशी मार्ग, भायखला (प.), मुंबई-४०००२७ से छपवाकर रुम नं. ३, सकला देवी चाल, राहुल मोटर ट्रेनिंग स्कूल के पास, नेहरू नगर, कांजूरमार्ग (पूर्व), मुंबई-४०००४२ महाराष्ट्र यहां से प्रकाशित किया। संपादकः छोटेलाल शर्मा (मो. ०९८१९८६२१७२) Email : kadamkadampar1@gmail.com

CMYK

# मृत आत्मा को प्रेत योनि से मुक्त करता है गया में पिंडदान

## जानिए इसका महत्व

गया तीर्थ का महत्व श्राद्ध पक्ष में बढ़ जाता है. गयाजी में पिंडदान करने के बाद श्राद्ध कर्म करने की आवश्यकता नहीं रहती. लेकिन जब तक पिंडदान ना किया जाए तब तक श्राद्ध कर्म जरूर करना चाहिए. इसलिए लोग गया तीर्थ में जाकर पिंडदान करते हैं. मृत्यु के बाद हर किसी की अलग-अलग गति होती है. मृत आत्मा को तर्पण का फल भी इसी आधार पर मिलता है.

### पितरों की योनि एवं स्थिति

किसी की भी मृत्यु के बाद उसे अपने कर्मों के अनुसार योनि प्राप्त होती है. अच्छे कर्मों के कारण देव योनि प्राप्त होती है और अगर उनके वंशज विभिन्न मंत्रों से अन्न अर्पित करते हैं और पिंडदान या श्राद्ध करते हैं तो उन पितरों के लिए ये अमृत पान सरीखा होता है. इसी तरह से अगर किसी के पितर पशु रूप में हैं तो उन्हें यह आनंद तिनके के रूप में प्राप्त होता है.

### तर्पण करना हमारा नैतिक दायित्व

यदि किसी कारण से किसी पितर के कर्म खराब रहे होते हैं और वे प्रेत योनि में भटक रहे हैं तो यही अन्न उन्हें रक्त के रूप में प्राप्त होता है और यदि उन्हें मनुष्य योनि प्राप्त हुई है तो यही श्रद्धा पूर्वक किया गया अन्न का भोग उन्हें अन्य के रूप में ही प्राप्त होता है और वे तृप्त हो जाते हैं. इस प्रकार पूरे विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ अपने पूर्वजों के निमित्त पितृ पक्ष में श्राद्ध एवं दान पुण्य करना चाहिए ताकि वे पितृ चाहे किसी भी योनि में पहुंचे हों, उन्हें तृप्ति मिले और ऐसा करके हम अपना नैतिक दायित्व भी पूर्ण करते हैं क्योंकि हम उनके ही वंशज हैं.

### श्राद्ध पक्ष में पृथ्वी पर रहते हैं पितृ

गया तीर्थ के महात्म्य में बताया गया है कि पितृपक्ष के दौरान विशेष रूप से पितृ पृथ्वी पर उपस्थित होते हैं. उनकी यही अभिलाषा होती है कि उनके वंशज उनकी सद्गति के लिए उनके निमित्त पिंडदान करें अथवा उनका श्राद्ध कर्म करें. पितरों के लिए पूर्ण श्रद्धा के साथ जो कुछ भी अर्पित किया जाता है तथा जो कुछ भी नियम पूर्वक उन्हें सौंपा जाता है, वही श्राद्ध कहलाता है.

जब तक व्यक्ति का दसगात्र तथा षोडशी पिंडदान नहीं किया जाता वह प्रेत रूप में रहता है और सपिण्डन अर्थात पिंडदान के उपरांत ही वह पितरों की श्रेणी में शामिल हो जाता है. यही मुख्य वजह है कि किसी भी मृत व्यक्ति का पिंडदान किया जाता है. इसके एक मंत्र में भी समझाया गया है.

एकैकस्य तिलैर्मिश्रांस्त्रींस्त्रीन् दद्याज्जलाञ्जलीन्.
यावज्जीवकृतं पापं तत्क्षणादेव नश्यति.

अर्थात जो व्यक्ति अपने पितरों को तिल मिश्रित जल की तीन अंजलियां प्रदान करते हैं, उनके द्वारा उनके जन्म से तर्पण के दिन तक के सभी पापों का अंत हो जाता है. पितरों को तृप्ति प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न देवताओं ऋषियों तथा पितृ देवों को तिल मिश्रित जल अर्पित करने की क्रिया ही तर्पण कहलाती है. सामान्य तौर पर पिंडदान करने के बाद श्राद्ध कर्म करने की आवश्यकता नहीं रहती. लेकिन जब तक पिंडदान ना किया जाए तब तक श्राद्ध कर्म जरूर करना चाहिए. इसलिए लोग गया तीर्थ में जाकर पिंडदान करते हैं.

### ब्रह्म पुराण

ब्रह्म पुराण के अनुसार जो प्राणी शाक आदि के माध्यम से अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध एवं तर्पण करता है, इससे उसके संपूर्ण कुल की वृद्धि होती है और उसके वंश का कोई भी प्राणी दुखी नहीं होता तथा उसे कोई कष्ट नहीं पहुंच पाता है.

### पितृ का पोषण करता है जल

यदि पूरी श्रद्धा के साथ श्राद्ध किया गया है तो पिंडों पर गिरने वाली पानी की बूंदे भी पशु पक्षी की योनियों में पड़े हमारे पितरों का पूर्ण रूप से पोषण करती है और जिस वंश में कोई बालक बाल्यावस्था में ही मृत्यु को प्राप्त हो गया हो वे भी मार्जन के जल से पूर्ण रूप से तृप्त हो जाते हैं.

### पिंड के रूप में भोजन अर्पण

ब्रह्म पुराण के ही अनुसार ही पितरों के लिए उचित समय और विधि द्वारा जो वस्तु भी ब्राह्मणों को यथा पूर्वक दी जाए वह श्राद्ध का भाग्य कहलाती है. श्राद्ध एक ऐसा जरिया है जिसके द्वारा हम अपने पितरों को संतुष्ट करने के लिए तथा उनकी तृप्ति के लिए उन्हें भोजन, अन्न, जल आदि पहुंचाते हैं. पितरों को जो भोजन दिया जाता है वह एक पिंड के रूप में अर्पित किया जाता है.

### कूर्म पुराण का वर्णन

वहीं कूर्म पुराण के अनुसार जो व्यक्ति पूर्ण श्रद्धा भाव से श्राद्ध करता है उसके समस्त पापों का नाश हो जाता है. उसे दोबारा संसार चक्र में नहीं भटकना पड़ता था और उसे मोक्ष की प्राप्ति भी हो जाती है और उसका पुनर्जन्म नहीं होता.

### गरुण पुराण की व्याख्या

गरुड़ पुराण में भी इस बात को वर्णित किया गया है कि यदि पितृ पूजन किया जाए और उनसे हमारे पितृ संतुष्ट हो तो अपने वंशजों के लिए आयु संतान यश कीर्ति बल वैभव तथा धन की प्राप्ति का वरदान देते है.

### मार्कंडेय पुराण में भी जिक्र

मार्कंडेय पुराण कहता है कि यदि आपके पितृ आपके द्वारा दिए गए श्राद्ध से तृप्त हो चुके हैं तो वह आपको आयु की वृद्धि, संतान की प्राप्ति, धन लाभ, विद्या में सफलता, सभी प्रकार के सुख, राज्य और मोक्ष प्रदान करने के लिए अपना आशीर्वाद देते हैं.

### मुक्ति धाम गया तीर्थ में कराए जाने वाले पूजा एवं कर्मकांड-

- पित्तरों/पूर्वजों का पिंड दान
- तर्पण, श्राद्ध
- गया जी श्राद्ध
- पितृ पक्ष श्राद्ध
- अमावस्या श्राद्ध
- सर्व पितृ अमावस्या श्राद्ध
- पितृ दोष निवारण पूजा
- त्रिपिंडी श्राद्ध
- नारायणबालि श्राद्ध
- नारायण नाग पूजा
- अकाल मृत्यु, समय पूर्व मृत्यु, अल्पायु में मृत्यु, दुर्घटना में मृत्यु के उपरांत उनकी आत्मा मुक्ति हेतु श्राद्ध
- अन्त्येष्टि कर्म(दशवें दिन के उपरांत का कर्मकांड)
- विष्णुपद मंदिर में तुलसी अर्चना, महापूजा, दूध अभिषेक पावपूजा, सत्यनारायण भगवान पूजा इत्यादि।

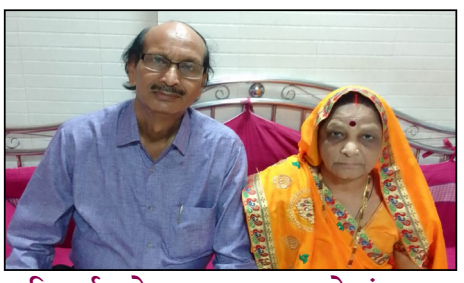

**पितृतर्पण हेतु कदम कदम पर के संपादक छोटेलाल शर्मा की गया यात्रा दिनांक १४ से २१ सितंबर २०२२**

**अधिक जानकारी हेतु संपर्क : ९८१९८६२१७२**

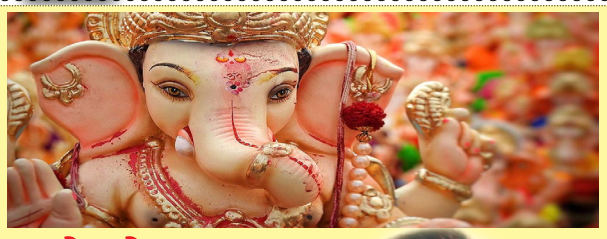

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

अनिल शर्मा
प्रबंधक - कदम कदम पर

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

जे.पी.शर्मा
संरक्षक - कदम कदम पर

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

अशोक यू. शर्मा
समाजसेवक

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

हरिशंकर ( मुन्ना ) शर्मा
समाजसेवक

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

आर.आर. शर्मा
समाजसेवक

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

सुर्यकांत वर्मा
समाजसेवक

अखिल भारतीय सविता महासंघ-मुंबई

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा

अध्यक्ष
श्री. जयप्रकाश शर्मा
मो.: 9322279767

कार्याध्यक्ष
श्री. अनंतलाल शर्मा
मो.: 8108398430

कोषाध्यक्ष
श्री. राकेश डी. सेमुआ
मो.: 98200 38072

महामंत्री
श्री. अशोक शर्मा
मो.: 9324053258

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

राकेश डी. सैमुआ
समाजसेवक

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

सतिश चंद्र गुप्ता
समाजसेवक

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

राजन शर्मा
संस्थापक, पब्लिकेशन राष्ट्रीय संपर्क संदेश
(आरएसएस) कल्याण (पूर्व)
संपर्क – + 91 9920371732

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

एड. बी.एम. शर्मा

गणेशोत्सव पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभेच्छा!

प्रसिद्धी ठाकुर
बिल्डर्स/समाजसेवक